चौपासनी शिक्षा समिति

चौपासनी-जोधपुर

वर्ष - 2013-14

चौपासनी शिक्षा समिति

चौपासनी-जोधपुर

महाराजा हनवंतसिंह जी साहिब

महाराजा सरप्रतापसिंह जी

महाराजा गजसिंहजी साहिब

अतीत की यादें-महाराजा उम्मेदसिंह जी तथा महाराजा अजीतसिंह जी का अध्ययन स्थली चौपासनी

चौपासनी का गौरव

मारवाड़ के मरूस्थल में चौपासनी विद्यालय की कल्पना तत्कालीन महाराजा प्रतापसिंह जी की थी, जो आगे जाकर सरप्रताप के नाम से प्रसिद्व हुए। उनकी इस कल्पना ने मूर्त्तरूप से लेकर मारवाड़ के जनमानस को संस्कारो के रत्नों से अलंकृत किया है और जिनकी आब युगों की पीढियों को ज्योतिर्मय करती रहेगी। इस संस्था के संस्थापक सर प्रताप ने उच्च शिक्षा नहीं पाई लेकिन वे फौरन ताड़ गये कि अब परम्परागत वीरता और शौर्य से हमारी जाति इस विश्व में आगे नही बढ़ सकती, उसको आधुनिक शिक्षा का बल समय रहते अर्जित करना चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होने सन 1875 में चालू किये गये दो छोटे-छोटे विद्यालयो को सन 1886 में मिलाकर पाउलेट नोबल स्कूल का स्वरूप दिया ।

सर प्रताप के मन में प्रारम्भ से ही ऊंच-नीच का भेद भाव नही था इसलिए इस विद्यालय में साधारण स्थिति के लडको के साथ राजा महाराजाओं व उच्च वर्ग के लड़के भी शिक्षा अर्जित करते थे। सत्र 1886-87 में विद्यालय में एक छात्रावास की व्यवस्था की गई। विद्यालय धीरे-धीरे प्रगति की और बढ रहा था। लड़कों के भोजन कपड़े व विद्यालय का पूरा खर्च दरबार ही वहन करते थे। सत्र 1891-92 में यहां से अनेक विद्यार्थी मेयो कॉलेज अजमेर गये। सत्र 1893-94 में जसंवत कॉलेज शुरू हुआ। सत्र 1894-1895 में यह स्कूल कुछ समय के लिये जंसवतपुरा फिर जालोर दुर्ग में स्थानांतरित किया गया। सन् 1898-99 में स्कूल सूरसागर में आ गया। सन 1911-12 का वर्ष संस्था के जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा जिसमें संस्था का भवन निर्माण करवाने की योजना बनाई गई तथा चौपासनी ग्राम के पास नये स्कूल भवन के निर्माण के लिये स्वीकृति प्रदान की गई।

वर्ष 1914 में जोधपुर के तत्कालीन महाराजा सर प्रतापसिंह जी ने देश की सुरक्षा सेवाओं में मारवाड़ के सैनिको तथा राजपूतों की प्रभावी भूमिका के लिये विद्यालय की स्थापना की जो चौपासनी विद्यालय के नाम से अनवरत चल रही है तथा राजस्थान की शिक्षण संस्थाओं में अपना प्रमुख स्थान रखती है। इस विद्यालय के भवन का निर्माण कार्य के लिये धन की व्यवस्था भी दरबार साहब के कोष एवं राजपूत सैनिको के ईनाम की राशि से की गई। वर्ष 1914 में छात्रों की संख्या 278 तथा अध्यापको की संख्या 18 थी। इस विद्यालय का संचालन वर्ष 1914 से 1948 तक जोधपुर राज्य द्वारा किया गया। वर्ष 1949 से इसका संचालन चौपासनी शिक्षा समिति कर रही है।

वर्ष 1922-23 में विद्यालय के प्रथम सफल तीन छात्र सर्वश्री गणपत सिंह, पदम सिंह, तथा जयसिंह रहे।

देश के प्रथम राष्ट्रपति महामहिम डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने विद्यालय के बारे में कहां था कि चौपासनी स्कूल जोधपुर को देख कर मे बहुत प्रसन्न हुआ । शहर से दूर गांव में खुले स्थान पर स्कूल बना है। और सभी विद्यार्थी यही रहते है। इस तरह बच्चों के रहन सहन और चरित्र पर शिक्षको का पूरा प्रभाव पड़ता है।

महामहिम डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रपति महोदय भाषण देते हुए।

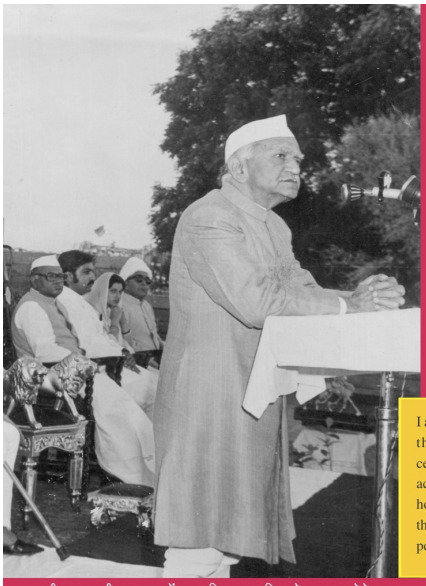

हीरक जयन्ती पर 1976 में महामहिम राष्ट्रपति महोदय भाषण देते हुए।

विद्यार्थीयों खेल कूद को देखने से मालूम हुआ की स्वास्थ्य की और पूरा ध्यान दिया जाता है। अब यह विद्यालय सब लोगो के लिए खुल गया है। इसकी उन्नति से सभी लाभ उठा सकते है। मैं इसकी सफलता की मनोकामना रखता हूँ।

इस विद्यालय में समय-समय पर गणमान्य व्यक्तियों का आगमन होता रहा हैं तथा सभी ने इसकी निरन्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है। वर्ष 1976 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम डॉ. फखरूद्दीन अली अहमद ने हीरक जयन्ति पर आकर कहा कि.....

I am happy to have visited the chopasni school on the occasion of its DIMOND JUBILEE celebrations I was very much impressed by its achievements. I wish the school every success and hope that it will become centre of inspiration for those who come and study here and also for the people of this area at large.

साहित्य प्रकाशन

शिक्षा के साथ-साथ समिति ने राजस्थानी साहित्य, संस्कृति तथा कला को बढ़ावा देने के लिए राजस्थानी शोध संस्थान की स्थापना 1955 में की गई जिसके निदेशक डॉ. नारायणसिंह भाटी बनाये गये जिनके सम्पादन में ''परम्परा'' मासिक शोध पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया गया । यह संस्थान विश्वविद्यालय स्तर पर राजस्थानी भाषा, साहित्य व मध्यकालीन भारतीय इतिहास विषयो पर पी.एच.डी. व डी.लिट की उपाधियो हेतु शोध के लिए मान्यता प्राप्त केन्द्र है। अब तक इस केन्द्र से लगभाग 1200 शोधार्थी लाभावित हो चुके है। इस केन्द्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष प्रो. यशपाल सहित अनेक शिक्षाविद् अवलोकन कर चुके है जिन्होने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। राजस्थानी भाषा के वृहद् शब्द कोश के प्रकाशन का कार्य पद्मश्री डॉ. सीताराम लालस के सम्पादन में किया गया। इस कोश के प्रथम खण्ड का प्रकाशन 1962 में हुआ यह कोश 9 खण्ड में लगभग दो लाख शब्दो में संग्रहित है। भारत सरकार के मानव संसाधन मत्रांलय के आर्थिक सहयोग से सन् 2013 में 11 खण्डो में शब्द कोश का पुन:मुद्रण करवाया गया है जो बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

वर्तमान स्वरूप

वर्ष 1914 में शुरू हुए इस विद्यालय के साथ समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। समिति द्वारा वर्तमान में चौपासनी सी.मा.विद्यालय, के अतिरिक्त श्री हनवंत अंग्रेजी मा. विद्यालय तथा श्री उम्मेद पूर्व विशिष्ट प्राथमिक विद्यालय भी संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2007 से चौपासनी शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय प्रारम्भ किया गया है। इस विद्यालय को वर्ष 2012 में बी.ग्रेड का दर्जा दिया गया है। यह महाविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष महत्व रखता है।

सत्र 2012-13 में इस समिति द्वारा संचालित विद्यालयो के परिणाम निम्नानुसार रहे:-

(क)चौपासनी सी.मा.विद्यालय – कक्षा 12 वी (माध्य.शिक्षा बोर्ड)

(**1. विज्ञान**-शत प्रतिशत **2. वाणिज्य**-86.66 प्रतिशत 3. **कला**-95.23 प्रतिशत)

(ख)चौपासनी सी.मा. विद्यालय – कक्षा 10 वीं (माध्य. शिक्षा बोर्ड) - 85.91 प्रतिशत

(ग)श्री हनवंत अंग्रेजी मा. विद्यालय – कक्षा 10वीं (माध्य. शिक्षा बोर्ड) - शत प्रतिशत

(घ)चौपासनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय – बी.एड. - शत प्रतिशत

शैक्षणिक व साहित्यिक गतिविधियो के साथ-साथ समिति द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय त्यौहार, सर प्रताप जयन्ति तथा वीर दुर्गादास जयन्ति आयोजित की जाती है।

शैक्षणिक प्रवृतियों के अतिरिक्त खेल कूद पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। समिति द्वारा संचालित विद्यालयो के खिलाड़ी जिला, संभाग तथा राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में सफल रहकर संस्था को गौरवान्वित कर रहे है। विद्याथियों द्वारा समय समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जाते है।

चौपासनी शिक्षा समिति के वर्तमान स्वरूप में मेयो कॉलेज अजमेर से एम.ओ.यू. कर मयूर चौपासनी स्कूल को सत्र 2012-2013 से प्रारम्भ किया गया है। वर्तमान में इस विद्यालय में कुल 1238 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है विद्यालय में प्रवेश देने में समाज के लोगो को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान में छात्र संख्या का 35 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त राज्य व केन्द्र की सरकारी नीतियो की प्रवेश के

महाराजा गजसिंह जी सलामी लेते हुए

Cultural Programme

समय पालना की जाती है। शैक्षणिक प्रवृतियों के साथ इस विद्यालय में तैराकी तथा घुड सवारी को भी जोडा गया है। सत्र 2013-14 में विद्यालयों मे छात्रों की संख्या निम्नानुसार है:- 1. चौपासनी सी. मा. विद्यालय - 428 2. श्री हनवंत अंग्रेजी मा.विद्यालय-387 3. श्री उम्मेद पूर्व विशिष्ट प्राथमिक विद्यालय - 100 4. चौपासनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय - 100 ।

चौपासनी विद्यालय के सर्वश्री भोमसिंह तथा श्रवणसिंह ने राष्ट्रीय स्तर के जिम्नास्टीक नेशनल प्रतियोगिता (पूना) भाग लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। एन.सी.सी. आर्मी सीनियर डिविजन में 32 केडेट सी. सर्टिफीकेट, 64 केडेट बी. सर्टिफिकेट, तथा 54 केडेट ए. सर्टिफीकेट, की योग्यता हासिल की।

बैण्ड वादन

शारीरिक व्यायाम

चौपासनी प्रगति की ओर :-

परिसर में हरा-भरा खेल मैदान, पुराने भवनो की मरम्मत, महाराजा गजसिंह भवन, युवराज शिवराज भवन, तरणताल, घुड़साल सड़को का डामरी करण, आवासीय भवनो की मरम्मत, भूमिगत पानी की टंकी (दो लाख लीटर) पॉवलेट हाउस छात्रावास का रीनोवेशन तथा परिसर की चार दीवारी का निर्माण कार्य करवाया गया। इसके साथ ही सम्पूर्ण चौपासनी परिसर में जल प्रबन्ध का कार्य भी करवाया गया जिसे पानी की समस्या का समाधान हुआ। श्री हनवंत अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय में कम्प्यूटर तथा इन्टरेक्टीव बोर्ड शिक्षा देने के लिए उपकरण क्रय किये गये। इसके साथ समाज के गरीब छात्रो के लिए छात्रवृति प्रारम्भ की गई।

घुड़ सवारी

मलखम्म

कार्यकरिणी की शसक्त टीम :-

चौपासनी शिक्षा समिति की जनवरी 2011 में कार्यकारिणी गठित की गई जिसका कार्यकाल जनवरी 2016 तक है। इस कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारी है :-

महाराजा गजसिंह जी साहिब-मुख्य संरक्षक

1. **ठा. मानवेन्द्रसिंह जी साहिब** - ठि. रोहिट-जिला पाली-अध्यक्ष
2. **डा. समरजीतसिंह जी** -ठि-दासपा, विधायक-उपाध्यक्ष
3. **श्री करणसिंह जी उचियारड़ा** - उपाध्यक्ष
4. **श्री प्रहलादसिंह जी राठौड़**-ठि. बर (पाली) से.नि.R.A.S. सचिव
5. **श्री सज्जनसिंह जी**-ठि. लोहारकी-कोषाध्यक्ष
6. **श्री मानसिंह जी** - ठि. पाल-सदस्य
7. **श्री सुमेरसिंहजी**-ठि. गजसिंहपुरा-सदस्य
8. **श्री दुर्जनसिंहजी** -बालेसर-सदस्य
9. **श्री चक्रवतीसिंह जी** - ठि. रारवी-जोजावर-सदस्य
10. **श्री फारूख अहमद खां**-से.नि. R.A.S. सदस्य (मुख्य संरक्षक प्रतिनिधि)
11. **श्री मोहन सिंह जी श्यामपुरा**-सदस्य भू.पू. सैनिक
12. **श्री (डॉ.) गणपतसिंह जी** - ठि. पाणवा सदस्य-शिक्षा विद प्रतिनिधि
13. **श्री हनुमान सिंह जी खांगटा**-सदस्य-अभिभावक प्रतिनिधि
14. **श्री अर्जूनसिंह जी झोटडा** - स्थायी आमन्त्रित सदस्य
15. **श्री भैरूसिंहजी राजावत** - स्थायी आमन्त्रित सदस्य
16. **श्री दलपत सिंह जी खीची** - ठि-नारवा-स्थायी आमन्त्रित सदस्य
17. **श्री शक्तिसिंह जी राठौड़ पीपाड़ा** - स्थायी आमन्त्रित सदस्य
18. **श्री जसवंतसिंह जी इन्दा** - ठि-निम्बो का गांव-स्थायी आमन्त्रित सदस्य
19. **श्री अर्जुनसिंह जी देवडा** - ठि-बड़गांव - पूर्व अध्यक्ष

एन.सी.सी. छात्र

अर्न्तराष्ट्रीय किक्रेट मैदान

आय व्यय का लेखा-जोखा

वर्ष 2012-13 का आय-व्यय का विवरण निम्नानुसार है :-

आय 2012-13	राशि	व्यय 2012-13	राशि
दान दाताओं से प्राप्त 2011-2012/2012-2013	7923100.00	चौपासनी शिक्षा समिति	1568159.00
मयूर से प्राप्त	14500000.00	मयूर चौपासनी	42634773.00
फार्म हाउस से प्राप्त	2385000.00	चौपासनी सी.सै.स्कूल	1670945.00
संस्थाओ से प्राप्त	5024938.00	श्री हनवंत अ.मा.वि.	544898.00
अन्य प्राप्तियों	662964.00	श्री उम्मेद वि.पू.प्रा.वि.	37000.00
बैंक से ओवर डाफ्ट	15000000.00	कूल योग	46455775.00
एफ.डी.आर. से	1200000.00	31.3.2013 को बैक शेष	959331.00
क्वाटर किराया	187432.00		
कोठार से	420000.00		
कूल योग	47415106.00	महायोग	47415106.00

भावी योजनाऐ :- सत्र 2013-14 से संस्थान के विकास में निम्नलिखित कार्य करवाने की योजनाऐ है जिस पर अनुमानित 10 करोड़ रूपये खर्च किये जायेगें:-1. आधुनिक साजसज्जा से निर्मित छात्रावास । 2. विज्ञान भवन 3. आधुनिक ई-लाईवेरी तथा पुस्तकालय । 4. हिन्दी माध्यम विद्यालय भवन । 5. स्पोर्ट्स काम्पलेक्स । 6. सोलर सिस्टम । 7. नया मयूर ब्लाक । 8. अर्न्तराष्ट्रीय स्तर का आधुनिक तरण ताल। इन कार्यो पर अनुमानित राशि रूपये दस करोड़ व्यय की जायेगी। इन विकास कार्यो से आधुनिक तरीको से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियो को शिक्षा प्रदान की जा सकेगी। छात्रवृति का विस्तार मारवाड़ के गरीब राजपूत छात्रो / छात्राओं के लिए किया जायेगा। आप सभी से अनुरोध है कि चौपासनी शिक्षण संस्थान की भावी योजनाओं तथा छात्रवृति हेतु छात्रवृति कोष में अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करे ताकि हम अपने लक्ष्यो की पूर्ति कर सके। अंत में चौपासनी विद्यालय का शताब्दी वर्ष अक्टूबर 2014 में मनाया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए प्रात: स्मरणीय महाराजा सर प्रतापसिंह जी को नमन किया जाता है। उन्होने जो शिक्षा का सपना जो सजोया वह फलभूत हो रहा है तथा विकास के नये आयाम जुड़ने से संस्था प्रगति के पथ की ओर अग्रसर हो रही है।

ठा. मानवेन्द्रसिंह-रोहित
अध्यक्ष

प्रहलादसिंह राठौड़
सचिव

CHAMUNDA MATA TEMPLE

A CHILD WITHOUT EDUCATION,
IS LIKE A BIRD WITHOUT WINGS.
- Tibetan Proverb

CRICKET

FOOTBALL

SWIMMING

BASKETBALL